

Vaishno Chalisa Lyrics in Hindi English

Vaishno Chalisa Lyrics in Hindi

॥ दोहा ॥

गरुड वाहिनी वैष्णवी, त्रिकुटा पर्वत धाम ।
काली, लक्ष्मी, सरस्वती, शक्ति तुम्हें प्रणाम ॥

॥ चौपाई ॥

नमो : नमो : वैष्णो वरदानी । कलि काल मे शुभ कल्याणी ॥
मणि पर्वत पर ज्योति तुम्हारी । पिंडी रूप में हो अवतारी ॥

देवी देवता अंश दियो है । रत्नाकर घर जन्म लियो है ॥
करी तपस्या राम को पाऊँ । त्रेता की शक्ति कहलाऊँ ॥

कहा राम मणि पर्वत जाओ । कलियुग की देवी कहलाओ ॥
विष्णु रूप से कल्की बनकर । लूंगा शक्ति रूप बदलकर ॥

तब तक त्रिकुटा घाटी जाओ । गुफा अंधेरी जाकर पाओ ॥
काली-लक्ष्मी-सरस्वती माँ । करेंगी शोषण-पार्वती माँ ॥

ब्रह्मा, विष्णु, शंकर द्वारे । हनुमत भैरों प्रहरी प्यारे ॥
रिद्धि, सिद्धि चंवर डुलावें । कलियुग-वासी पूजत आवें ॥

पान सुपारी ध्वजा नारियल । चरणामृत चरणों का निर्मल ॥
दिया फलित वर माँ मुस्काई । करन तपस्या पर्वत आई ॥

कलि कालकी भड़की ज्वाला । इक दिन अपना रूप निकाला ॥
कन्या बन नगरोटा आई । योगी भैरों दिया दिखाई ॥

रूप देख सुन्दर ललचाया । पीछे-पीछे भागा आया ॥
कन्याओं के साथ मिली माँ । कौल-कंदौली तभी चली माँ ॥

देवा माई दर्शन दीना । पवन रूप हो गई प्रवीणा ॥
नवरात्रों में लीला रचाई । भक्त श्रीधर के घर आई ॥

योगिन को भण्डारा दीना । सबने रुचिकर भोजन कीना ॥
मांस, मदिरा भैरों मांगी । रूप पवन कर इच्छा त्यागी ॥

बाण मारकर गंगा निकाली । पर्वत भागी हो मतवाली ॥
चरण रखे आ एक शिला जब । चरण-पादुका नाम पड़ा तब ॥

पीछे भैरों था बलकारी । छोटी गुफा में जाय पधारी ॥
नौ माह तक किया निवासा । चली फोड़कर किया प्रकाशा ॥

आद्या शक्ति-ब्रह्म कुमारी । कहलाई माँ आद कुंवारी ॥
गुफा द्वार पहुँची मुस्काई । लांगुर वीर ने आज्ञा पाई ॥

भागा-भागा भैरों आया । रक्षा हित निज शस्त्र चलाया ॥
पड़ा शीश जा पर्वत ऊपर । किया क्षमा जा दिया उसे वर ॥

अपने संग में पुजवाऊंगी भैरों घाटी बनवाऊंगी ॥
पहले मेरा दर्शन होगा पीछे तेरा सुमरन होगा ॥

बैठ गई माँ पिण्डी होकर चरणों में बहता जल झर-झर ॥
चौंसठ योगिनी-भैरो बरवन सप्तऋषि आ करते सुमरन ॥

घंटा ध्वनि पर्वत पर बाजे गुफा निराली सुन्दर लागे ॥
भक्त श्रीधर पूजन कीना भक्ति सेवा का वर लीना ॥

सेवक ध्यान तुमको ध्याया ध्वजा व चोला आन चढ़ाया ॥
सिंह सदा दर पहरा देता पंजा शेर का दुःख हर लेता ॥

जम्बू द्वीप महाराज मनाया सर सोने का छत्र चढ़ाया ॥
हीरे की मूरत संग प्यारी जगे अखंड इक जोत तुम्हारी ॥

आश्विन चैत्र नवराते आऊँ पिण्डी रानी दर्शन पाऊँ ॥
सेवक 'शर्मा' शरण तिहारी हरो वैष्णो विपत हमारी ॥

॥ दोहा ॥
कलियुग में महिमा तेरी, है माँ अपरम्पार ।
धर्म की हानि हो रही, प्रगट हो अवतार ॥

Vaishno Chalisa Lyrics in English

Dohā
Garud Vāhini Vaishnavī, Trikuṭā Parvat Dhām.
Kālī, Lakṣhmī, Sarasvatī, Shakti Tumhe Praṇām.

Chaupāī
Namo: Namo: Vaishno Varadānī. Kali Kāle Me Shubh Kalyānī.
Maṇi Parvat Par Jyoti Tumhārī. Piṇḍī Roop Mein Ho Avatārī.

Devī Devtā Anś Diyō Hai. Ratnākār Ghar Janm Liyo Hai.
Karī Tapasyā Rām Ko Pāun. Tretā Ki Shakti Kahlāun.

Kahā Rām Maṇi Parvat Jāo. Kaliyug Ki Devī Kahlāo.
Vishnu Roop Se Kalkī Bankar. Loonga Shakti Roop Badalkar.

Tab Tak Trikuṭā Ghāṭī Jāo. Guphā Andherī Jākar Pāo.
Kālī-Lakṣhmī-Sarasvatī Mām. Karengi Shoshan-Pārvatī Mām.

Brahmā, Vishnu, Shankar Dwāre. Hanumat Bhairon Prahārī Pyāre.
Riddhi, Siddhi Chamvar Dulāven. Kaliyug-Vāsī Poojat Āven.

Pān Supārī Dhvajā Nārīyal. Charṇāmṛt Charno Kā Nirmal.
Diyā Phalit Var Mām Muskāi. Karan Tapasyā Parvat Āi.

Kali Kālī Bhadakī Jwālā. Ik Din Apnā Roop Nikālā.
Kanyā Ban Nagarotā Āi. Yogī Bhairon Diyā Dikhāi.

Roop Dekh Sundar Lalchāyā. Pichhe-Pichhe Bhāgā Āyā.
Kanyāon Ke Sāth Milī Mām. Kaul-Kandāulī Tab Chalī Mām.

Devā Māi Darśan Dīnā. Pavan Roop Ho Gaī Pravīṇā.
Navarātron Mein Līlā Rachāī. Bhakt Shri Dhar Ke Ghar Āī.

Yogīn Ko Bhaṇḍārā Dīnā. Sabne Rūchikar Bhojan Kīnā.
Māns, Madirā Bhairon Māngī. Roop Pavan Kar Ichchhā Tyāgī.

Bān Mārkar Gaṅgā Nikālī. Parvat Bhāgī Ho Matwālī.
Charṇ Rākhe Ā Ek Shilā Jab. Charṇ-Pādūkā Nāma Paṛā Tab.

Pīchhe Bhairon Thā Balkārī. Chhoti Guphā Mein Jāy Padhārī.
Nau Māh Tak Kiyā Nivāsā. Chalī Phodkar Kiyā Prakāśā.

Ādyā Shakti-Brahm Kumārī. Kahlāī Mām Ādī Kumwārī.
Guphā Dwār Pahunchī Muskāī. Lāngūr Vīr Ne Āgnya Pāī.

Bhāgā-Bhāgā Bhairon Āyā. Rakṣā Hit Nij Shastra Chalāyā.
Paṛā Shīsh Jā Parvat Upar. Kiyā Kṣamā Jā Diyā Use Var.

Apne Sang Mein Pujwāungī. Bhairon Ghāṭī Banwāungī.
Pehle Merā Darśan Hoga. Pīchhe Tera Sumanan Hoga.

Baith Gaī Mām Piṇḍī Hoka. Charṇon Mein Bahte Jal Jhar-Jhar.
Chausath Yoginī-Bhairon Barwan. Sapṭṛṣi Ā Karte Sumanan.

Ghaṇṭā Dhvani Parvat Par Bāje. Guphā Nirālī Sundar Lāge.
Bhakt Shri Dhar Poojan Kīnā. Bhakti Sevā Kā Var Līnā.

Sevak Dhyānūm Tumko Dhyāyā. Dhvajā V Cholā Ān Charḥāyā.
Sinh Sadā Dar Pehrā Detā. Panjā Sher Kā Dukh Har Letā.

Jambū Dīp Mahārāj Manāyā. Sar Sonā Kā Chhatra Charḥāyā.
Hire Kī Mūrat Sang Pyārī. Jage Akhaṇḍ Ik Jyot Tumhārī.

Āśvin Chaitra Navrāte Āūm. Piṇḍī Rānī Darśan Pāūm.
Sevak 'Sharma' Sharaṇ Tihārī. Haro Vaishno Vipat Hamārī.

Dohā
Kali Yug Mein Mahimā Tērī, Hai Mām Aparmpār.
Dharm Ki Hāni Ho Rahī, Pragaṭ Ho Avatār.

About Vaishno Chalisa in English

Vaishno Chalisa is a devotional hymn dedicated to Goddess Vaishno Devi, one of the most revered deities in Hinduism. The hymn, consisting of forty verses (Chalisa), praises Goddess Vaishno Devi for her divine attributes, strength, and grace. It describes her as the embodiment of purity, power, and righteousness, who blesses her devotees with peace, prosperity, and spiritual growth.

The Chalisa emphasizes the goddess's role as a protector and a remover of obstacles, guiding her devotees through difficult times and offering them divine protection. It also speaks about her divine manifestations in the form of the three supreme goddesses - Saraswati, Lakshmi, and Kali - who represent knowledge, wealth, and strength, respectively. The hymn is a reminder of her ability to bring balance to the world and to her devotees' lives by guiding them on the path of dharma (righteousness).

Devotees recite Vaishno Chalisa to seek the blessings of Goddess Vaishno Devi for a fulfilled and prosperous life. It is believed that chanting the Chalisa with devotion can help overcome life's challenges, eliminate negative energies, and invite divine grace. The hymn is particularly recited during auspicious occasions, such as Navratri, or when seeking spiritual and material blessings from the goddess.

About Vaishno Chalisa in Hindi

वैष्णो चालीसा एक भक्तिपूर्ण प्रार्थना है, जो देवी वैष्णो को समर्पित है, जो हिंदू धर्म में अत्यंत पूजनीय और शक्तिशाली देवी मानी जाती हैं। यह चालीसा 40 चौपाइयों (चालीसा) में बंटी हुई है, जो देवी वैष्णो के दिव्य गुणों, शक्ति और कृपा की सराहना करती है। देवी वैष्णो को संसार के सभी संकटों और बाधाओं को हरने वाली देवी माना जाता है, जो अपने भक्तों को शांति, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति प्रदान करती हैं।

चालीसा में देवी वैष्णो के तीन प्रमुख रूपों का उल्लेख किया गया है – महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती, जो क्रमशः शक्ति, संपत्ति और ज्ञान की देवी हैं। यह चालीसा उनके आशीर्वाद से जीवन में सकारात्मक बदलाव, धन और सुख की प्राप्ति की प्रार्थना करती है। देवी वैष्णो की शक्ति का महत्व यह है कि वह अपने भक्तों को मार्गदर्शन देती हैं और उन्हें धर्म के रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करती हैं।

यह चालीसा विशेष रूप से नवरात्रि और अन्य शुभ अवसरों पर गाई जाती है, और इसे भक्ति भाव से पढ़ने या सुनने से देवी वैष्णो की कृपा प्राप्त होती है, जिससे जीवन में आने वाली कठिनाइयाँ दूर होती हैं और सुख-समृद्धि मिलती है।